

9 दिन 9 पहेलियाँ



नौ दिन नौ पहेलियाँ

इस पुस्तक में...

चन्दा और रवि को हर दिन एक पहेली सुलझाने की चुनौती मिलती है। इस तरह नौ दिनों में नौ पहेलियाँ हल करते हुए वे 1 से लेकर 9 तक की संख्याओं को समझते हैं। संख्या को समझने में संख्या का नाम और प्रतीक दो अंग हैं। जिन्हें बच्चे अक्सर बोलना और लिखना सीखने से शुरुआत करते हैं। इसके साथ-साथ संख्या एक मात्रा को दर्शाती है।

दो बोलते हुए 2 और उसकी मात्रात्मकता दोनों को एक ही साथ देख पाना ही संख्या की समझ का परिचय है।

इसकी शुरुआती समझ के लिए दो, 2 और 🙌 को बार-बार एक साथ देखना ज़रूरी है। इस तरह की समझ बनाने के कई अवसर ये पुस्तक दे रही है। आप ध्यान देंगे तो पाएंगे कि घड़ी में समय के द्वारा भी इन संख्याओं को पोषित किया जा रहा है। पुस्तक को उलटने-पलटने के क्रम में कभी बच्चों का ध्यान इस बात पर जा सकता है।

पहले दिन दोपहर के 1 बजे रवि और चंदा घर में खेल रहे थे। ठीक 1 बजे घंटी बजी....



दरवाजा खोला तो एक लिफाफा
फर्श पर पड़ा मिला ।



लिफाफे में एक पन्ना था जिसपर कुछ लिखा था । वह एक
पहेली थी।

पहेली 1
ये दोनों हैं 1 अकेले
मगर बड़े अलबेले !
एक दिन में चमके,
रात को खोए,
दूजा जागे,
जब जग सोए,
बूझो हैं ये कौन ?



ये लिफ़ाफ़े और पहेली की क्या कहानी होगी? माँ के पास दौड़े गए तो माँ ने कहा, 'अरे पहेली को बूझो तो जानूँ!'। अच्छा पहली पहेली है, इसीलिए एक इशारा देती हूँ— 'इसका जवाब तुम दोनों के नाम में है!'



दूसरे दिन दो बजे, खिड़की से एक
लिफाफा अंदर आया।

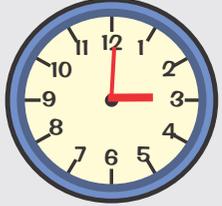
रवि, देखो आज भी पहेली आ गई!



पहेली 2
ये 2 हैं, जिनसे
देखें हम दुनिया,
और ये 2 हैं,
इंसान का पहिया
बूझो हैं ये क्या?!



तीसरे दिन 3 बजे, एक लिफाफा
चंदा और रवि को मेज पर मिला।



पहेली 3

जिस पर चढ़कर जाते
तुम स्कूल, हैं कितने
उसके पहिये?
और कितने रंग हैं
सबसे मूल?
सोच-समझकर
कहिए! बूझो कितने?

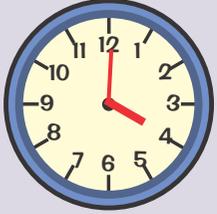
3 पहिये
वाला रिक्शा!



3 मूल रंग
लाल, हरा
और पीला !



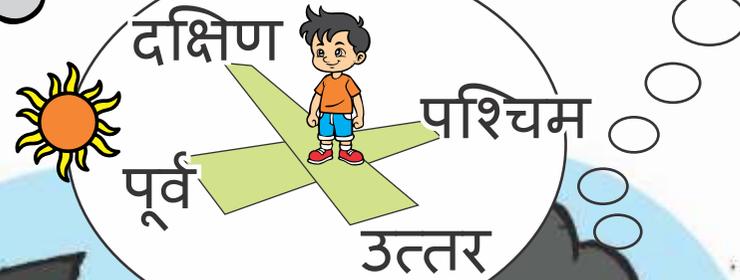
चौथे दिन चार बजे, एक लिफाफा
घर के बरामदे में पड़ा मिला।



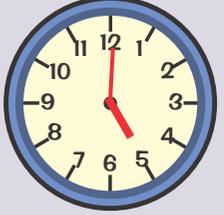
पहेली 4
कितने मौसम, कितनी दिशाएं
कितने पैरों पर चलती गाय?
कितने हैं कुर्सी के पाये?
कोई तो बताए!
बूझो कितने?

पैर 4 और
पाये 4!

4 हैं मौसम
और 4 दिशाएं!



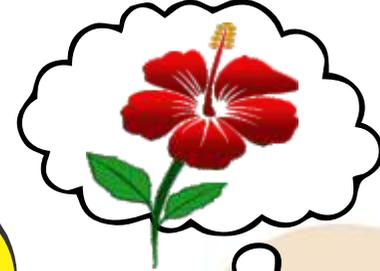
पाँचवें दिन पाँच बजे, पाँचवीं पहेली।



पहेली 5

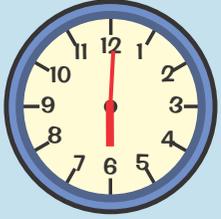
एक हाथ में जितनी
अँगुलियाँ,
उतनी गुड़हल में
पंखुड़ियाँ,
उतनी ही अपनी
इंद्रियाँ।
बोलो कितनी!

5 अँगुलियाँ
5 पंखुड़ियाँ!



5 इंद्रियाँ
(नाक, कान,
आँख, जिह्वा
और स्पर्श!)

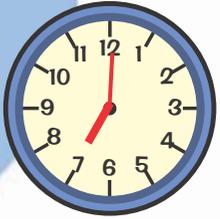
छठे दिन 6 बजे, एक लिफाफा
ड्रॉइंग रूम में मिला।



पहेली 6
चींटी के हैं कितने पैर?
जिनसे करती है वो
सैर? पासा पलटे
कितने चेहरे,
देख जिन्हें चलते हैं
मोहरे?
बूझो कितने?!



सातवें दिन 7 बजे, जब रवि और चन्दा पढ़ाई करने बैठे तो मेज पर एक लिफाफा मिला।

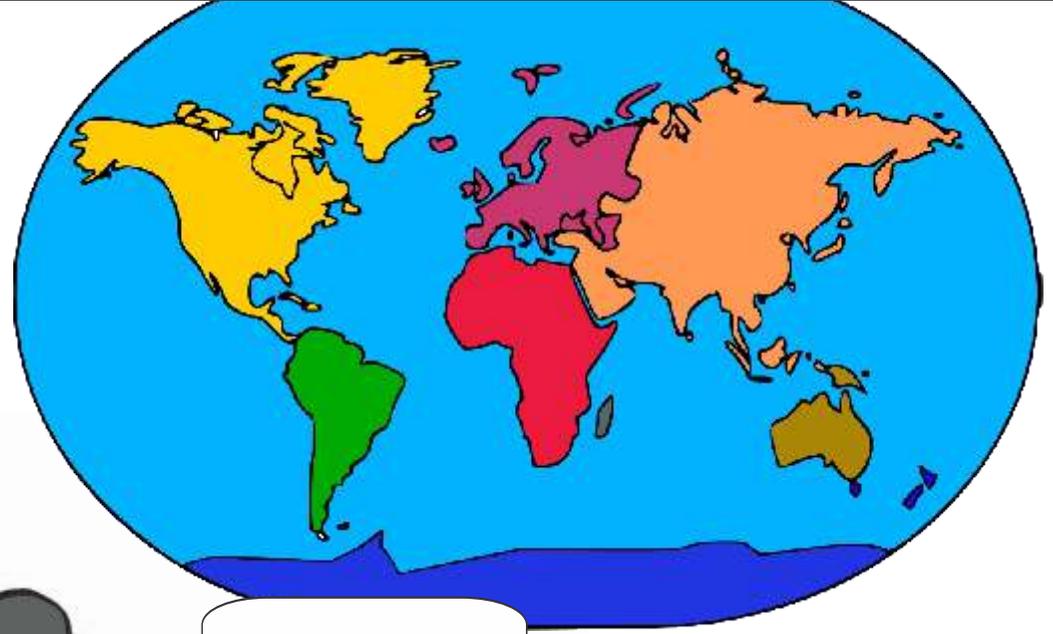


पहेली 7

हफ्ते में हैं कितने दिन?
इंद्रधनुष के रंग लो
गिन, जितने सुरों से
बना संगीत, उतने ही हैं
महाद्वीप! बूझो
कितने?

सितम्बर 2025

सोमवार	मंगलवार	बुधवार	बृहस्पतिवार	शुक्रवार	शनिवार	रविवार
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30					

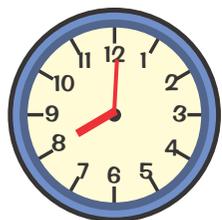


हफ्ते में दिन होते 7!
और ये देखो मेरी किताब-
इंद्रधनुष के रंग हैं 7!

महाद्वीप भी 7!
और सुर भी 7!

सा रे ग म प ध नि

आठवें दिन सुबह 8 बजे, जब चन्दा और रवि रसोईघर में माँ की मदद करने गए तो एक लिफाफा मिला।

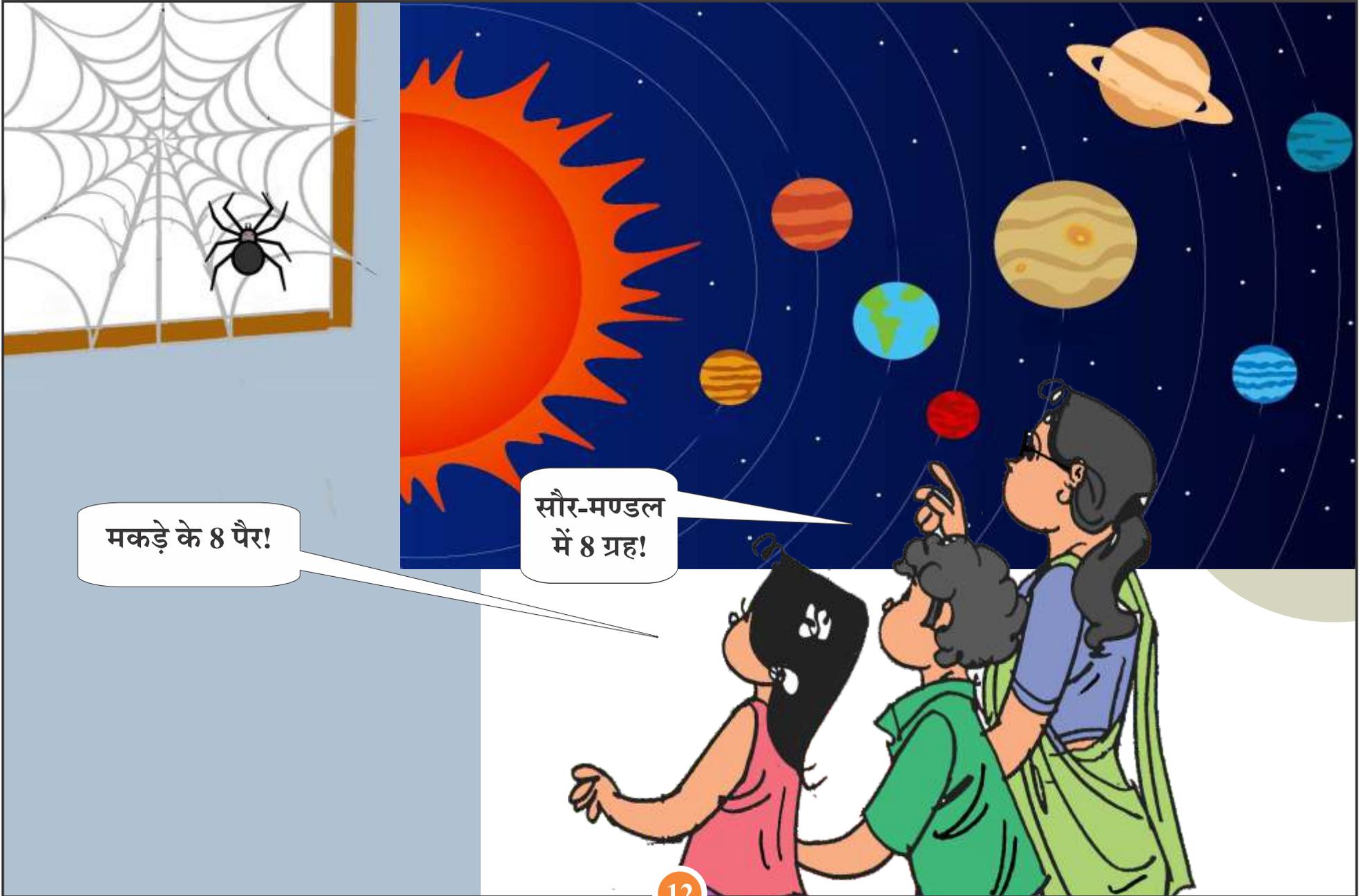


पहेली 8

मकड़ा बुनता महाजाल,
कितने पैरों की है चाल?

छोटे मकड़े के
पैर हैं इतने,
अंतरिक्ष में ग्रह हैं जितने!!

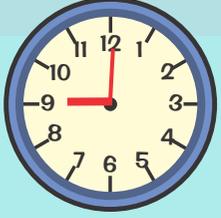




मकड़े के 8 पैर!

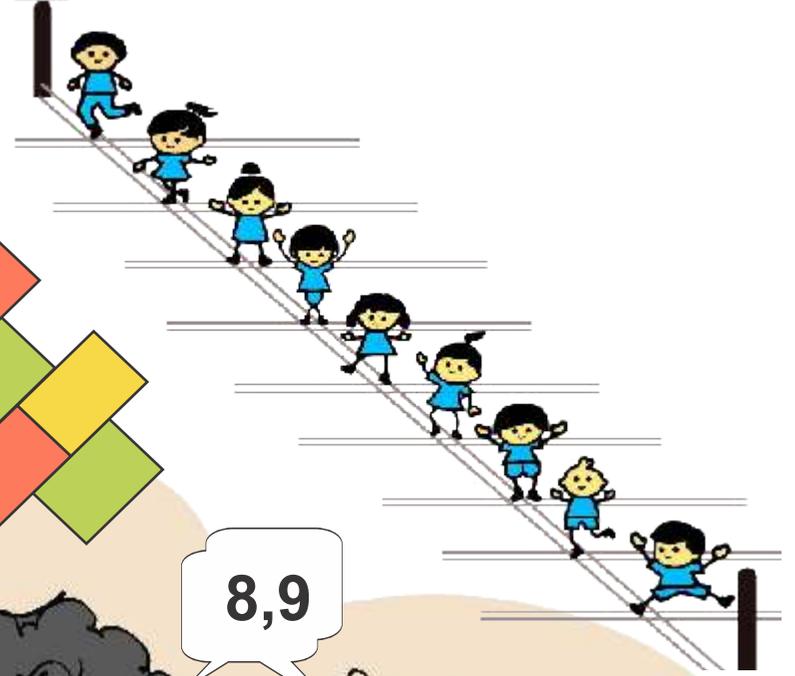
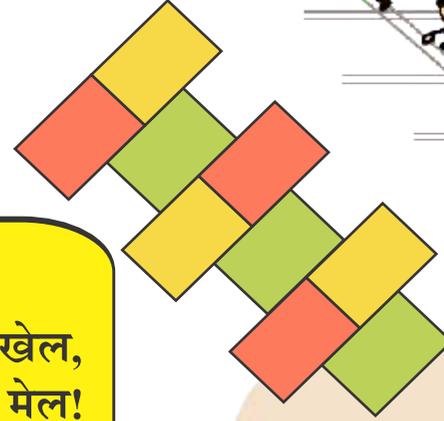
सौर-मण्डल में 8 ग्रह!

नवां दिन सुबह 9 बजे, एक लिफाफा
खाने की मेज पर मिलता है।



पहेली 9

स्टापू, खोखो दोनों खेल,
इस संख्या से रखते मेल!
इसके पहले आता आठ,
समझे, तो उठाओ हाथ!!

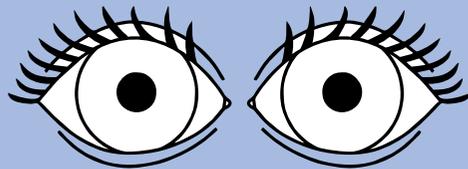
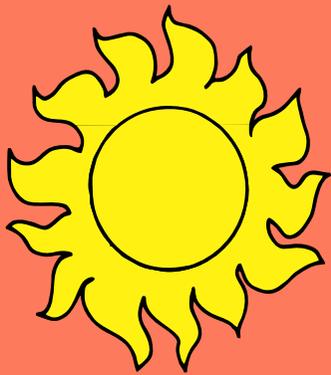


8,9

1

2

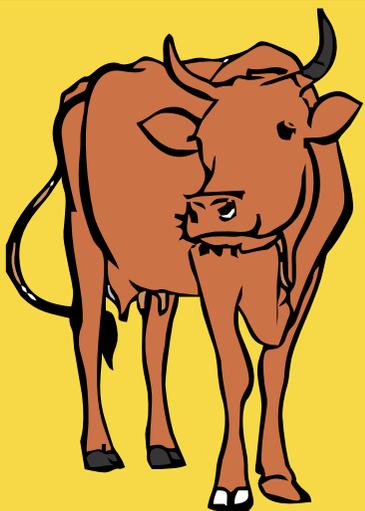
3



4

5

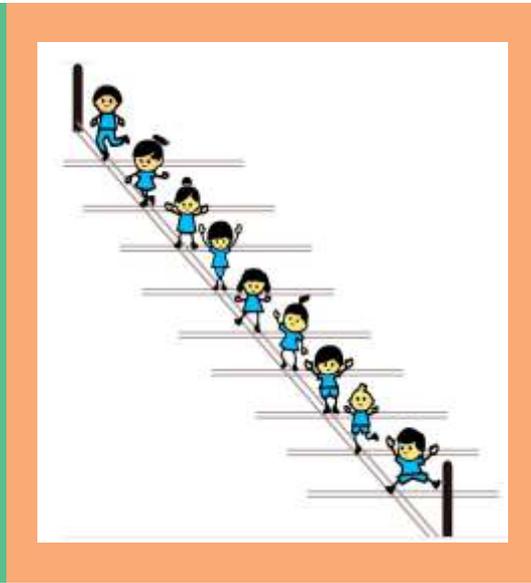
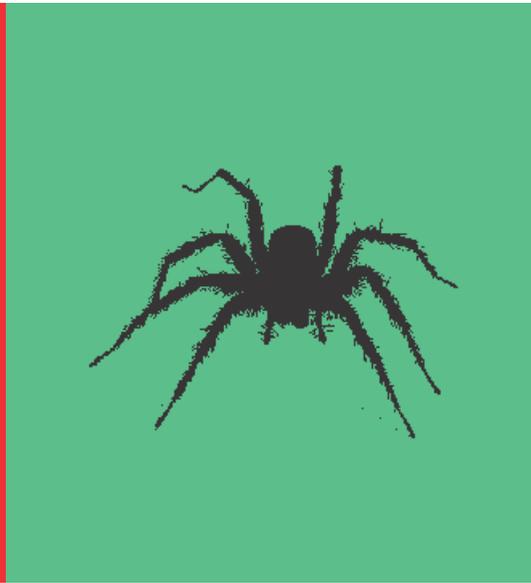
6



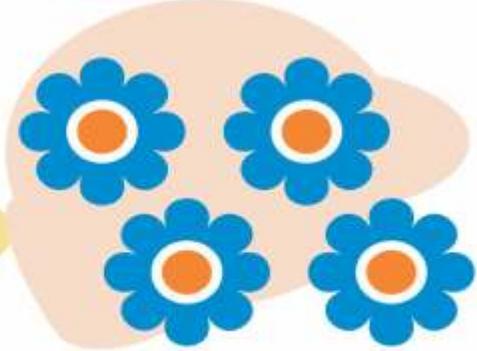
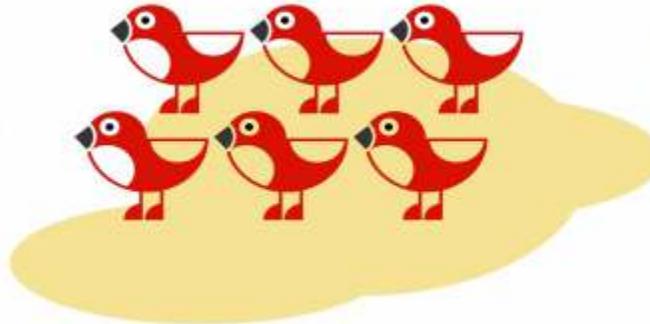
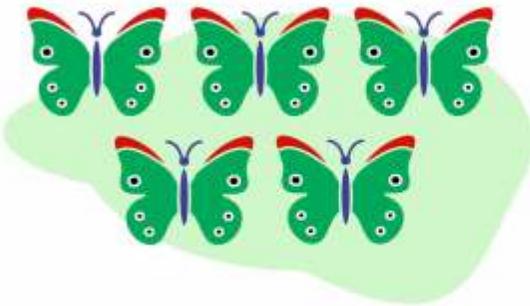
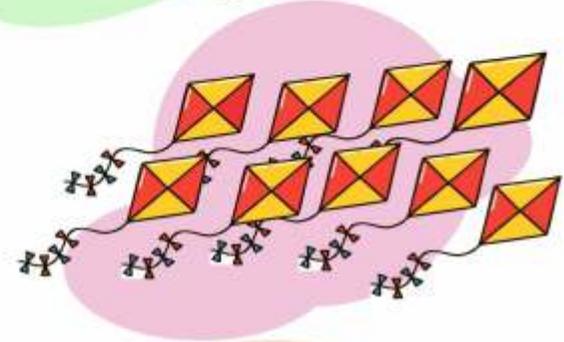
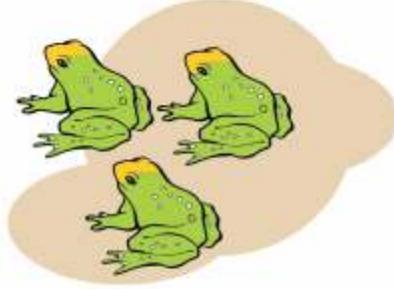
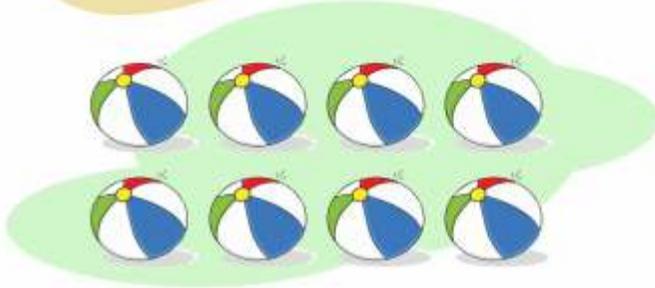
7

8

9



कौन कितने? कौन है कम और कौन है ज्यादा?



1

2

3

4

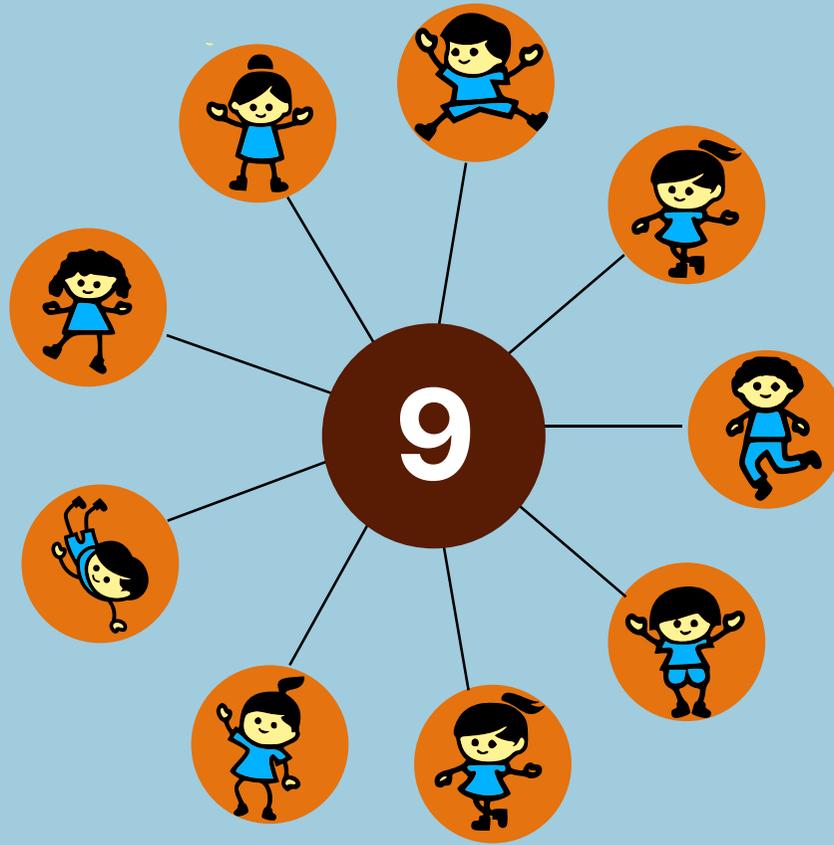
5

6

7

8

9



सत्र 2025-2026



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha

